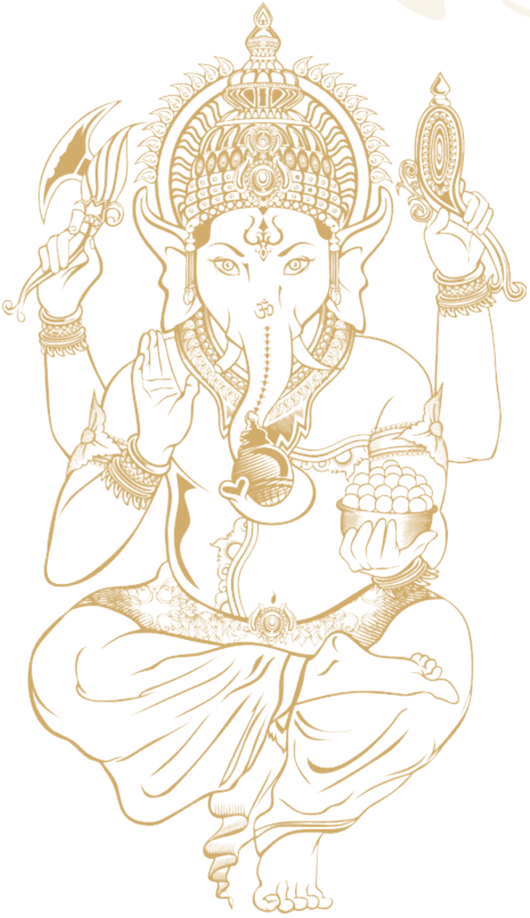

Mr.Aditya dhingra

19 Jul 1995

12:51 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120162504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/07/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:51:00 घंटे**
इष्ट	18:10:05 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:29:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:14 घंटे
साम्पातिक काल	08:16:21 घंटे
सूर्योदय	05:34:57 घंटे
सूर्यास्त	19:19:25 घंटे
दिनमान	13:44:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:22:42 कर्क
लग्न के अंश	06:02:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:02:30	312:08:58	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	02:22:42	00:57:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	00:34:11	12:22:20	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	04:58:45	00:35:07	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	मिथु	22:16:29	02:02:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	12:03:00	00:02:37	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	23:23:18	01:13:39	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मीन	00:48:55	00:01:17	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		तुला	07:48:32	00:00:04	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	07:48:32	00:00:04	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	04:47:42	00:02:24	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मक	00:18:30	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:07:52	00:00:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	08:02:27	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:51

लग्न-चलित

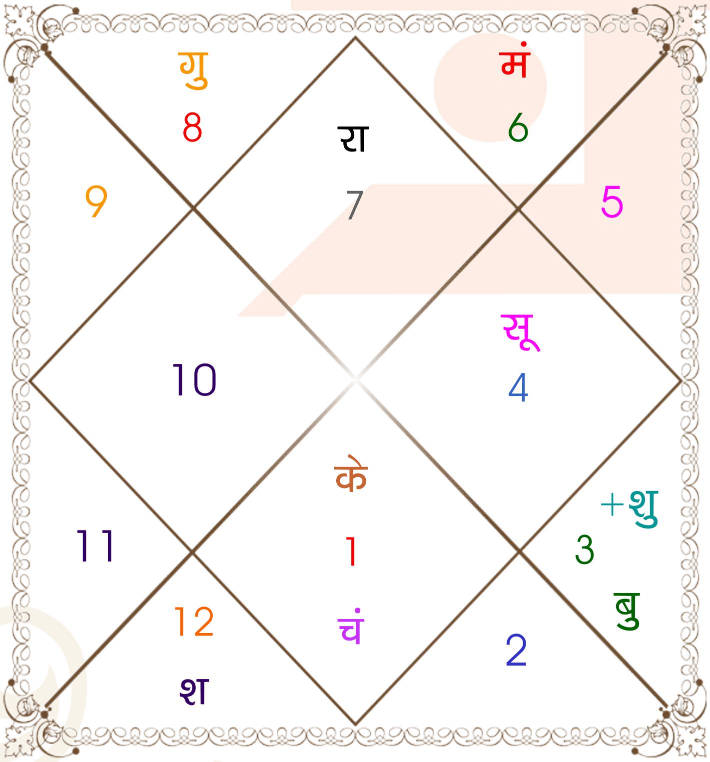

चन्द्र कुंडली

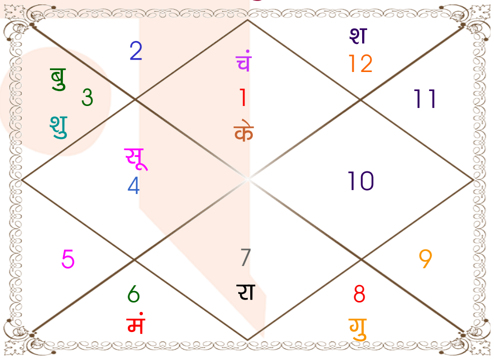

नवमांश कुंडली

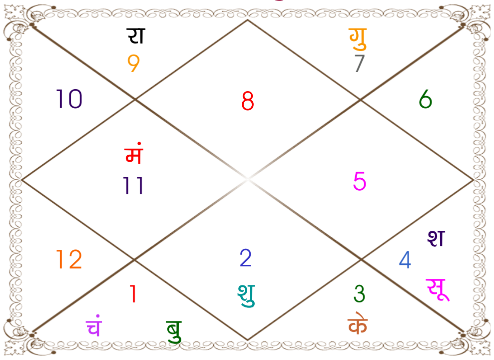

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 8 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/07/1995		01/04/2002		01/04/2022		31/03/2028		01/04/2038	
01/04/2002		01/04/2022		31/03/2028		01/04/2038		31/03/2045	
केतु	28/08/1995	शुक्र	31/07/2005	सूर्य	19/07/2022	चंद्र	29/01/2029	मंगल	28/08/2038
शुक्र	27/10/1996	सूर्य	31/07/2006	चंद्र	18/01/2023	मंगल	30/08/2029	राहु	15/09/2039
सूर्य	04/03/1997	चंद्र	31/03/2008	मंगल	26/05/2023	राहु	01/03/2031	गुरु	21/08/2040
चंद्र	03/10/1997	मंगल	31/05/2009	राहु	18/04/2024	गुरु	30/06/2032	शनि	30/09/2041
मंगल	01/03/1998	राहु	31/05/2012	गुरु	05/02/2025	शनि	30/01/2034	बुध	27/09/2042
राहु	20/03/1999	गुरु	30/01/2015	शनि	17/01/2026	बुध	01/07/2035	केतु	23/02/2043
गुरु	24/02/2000	शनि	01/04/2018	बुध	24/11/2026	केतु	30/01/2036	शुक्र	24/04/2044
शनि	03/04/2001	बुध	29/01/2021	केतु	01/04/2027	शुक्र	30/09/2037	सूर्य	30/08/2044
बुध	01/04/2002	केतु	01/04/2022	शुक्र	31/03/2028	सूर्य	01/04/2038	चंद्र	31/03/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
31/03/2045		01/04/2063		01/04/2079		01/04/2098		02/04/2115	
01/04/2063		01/04/2079		01/04/2098		02/04/2115		00/00/0000	
राहु	12/12/2047	गुरु	19/05/2065	शनि	04/04/2082	बुध	28/08/2100	केतु	20/07/2115
गुरु	07/05/2050	शनि	30/11/2067	बुध	12/12/2084	केतु	25/08/2101		00/00/0000
शनि	13/03/2053	बुध	07/03/2070	केतु	21/01/2086	शुक्र	25/06/2104		00/00/0000
बुध	30/09/2055	केतु	11/02/2071	शुक्र	22/03/2089	सूर्य	02/05/2105		00/00/0000
केतु	18/10/2056	शुक्र	12/10/2073	सूर्य	04/03/2090	चंद्र	01/10/2106		00/00/0000
शुक्र	19/10/2059	सूर्य	31/07/2074	चंद्र	03/10/2091	मंगल	28/09/2107		00/00/0000
सूर्य	11/09/2060	चंद्र	30/11/2075	मंगल	11/11/2092	राहु	17/04/2110		00/00/0000
चंद्र	13/03/2062	मंगल	05/11/2076	राहु	18/09/2095	गुरु	23/07/2112		00/00/0000
मंगल	01/04/2063	राहु	01/04/2079	गुरु	01/04/2098	शनि	02/04/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 8 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।